ईश्वर अकर्ता है।
ईश्वर कर्ता है।

हमें पता है कि किसी भी कार्रवाई के पीछे एकमात्र मकसद खुशी की तलाश है। ईश्वर वह सुख है जो शाश्वत और अनंत है। हर कोई उसे चाहता है। वह क्या चाहेगा? चूंकि उसके पास हासिल करने के लिए कुछ नहीं है, इसलिए वह कुछ नहीं करता। जीव सुख चाहता है और इसलिए जीव सब कुछ करता है, भगवान नहीं। इसलिए ईश्वर अकर्ता है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

लेकिन भगवान में कई दिव्य गुण हैं। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण अकारण करुणा है। भगवान अकारण करुणा से अपने गर्भ से इस ब्रह्मांड का निर्माण करते हैं ताकि जीव जो अभी तक सच्चे अर्थों में खुशी प्राप्त करने में असफल रहे है उसी की तलाश करने की कोशिश करेंगे। इसलिए भगवान सृष्टीकर्ता है।

यदि असीम सुख की तलाश नहीं है तो विकल्प क्या है? भौतिक सुख की तलाश करना। भौतिक सुख अपने गुण से कभी पूरा नहीं होता। भौतिक सुख हमेशा कमी महसूस होती है। पूर्ण संतुष्टी कही नही है। कही ना कही आपको मानसिक या शारीरिक दुःखों का सामना करना पडता है। किसी भी भौतिक सुख की तलाश के लिए हर जीव को पहले के जीवन में कई कष्टों से गुजरना पड़ता है। इसका मतलब है कि खुश होने से पहले कष्ट होते हैं और फिर खुशी की तलाश की जाती है और फिर यह खुशी गायब हो जाता है और फिर से दुख मिलता है। यही कारण है कि जीव को मृत्यु और जन्मों के अनंत चक्रों से गुजरना पड़ता है।

दिव्य सुख अनंत मात्रा का होता है जो कभी खतम नही होता। जीव तो कभी मरता ही नही। अज्ञानतावश शरीर को मैं मानने के कारण हमे जन्म, मृत्यु तथा अगनित अनंत कष्ट सहन करने पडते है। दिव्य सुख का अनुभव करने के लिए जीव को दिव्य मन एवं दिव्य शरीर दिया जाता है, जिससे दिव्य भगवान के साथ वैसे ही प्यार का व्यवहार किया जाता है जैसे इस दुनिया हम अपने प्रेमी के साथ अलिंगन, नृत्य, प्यार भरी मुलाकते, बाते, हास परिहास आदि करके उनको रिझाते है, उनकी सेवा करते है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

दया से युक्त होकर भगवान जीव को करोडो कल्प में एक बार मानव रूप में जीव को भेजकर असीम खुशी प्राप्त करने का मौका देता है। और फिर उसकी हर क्रिया का रिकॉर्ड रखता है और आगे चलकर हर क्रिया का परिणाम देता है।

इस प्रकार परमेश्वर दूसरों के सुख लिए कई कार्य करता है इसलिए वह कर्ता है।

ईश्वर अपने सुख के लिए कुछ भी नहीं करता इसलिए वह अकर्ता है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132